





















## नोवाक ने जीता जिनेवा ओपन

● दिग्बंग टेनिस स्टार खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने हूबर्ट हर्कंज को हराकर जीता यह खिताब

जिनेवा, वार्ता। सर्वियाई दिग्बंग टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने पोलैंड के हूबर्ट हर्कंज को हराकर अपना 100वां एटीपी खिताब जीता। जिनेवा ऑपन के फाइनल मुकाबले में शनिवार रात जोकोविच ने हवाज़र पर-5, 7-6, 7-6 से हाराकर जीत दर्ज की। शुरुआत में एक सेट से पिछड़ने के बाद जोकोविच रोजर फेडर और रोजीर फेडर को फाइनल में बदल दिया। जिनेवा ऑपन के फाइनल मुकाबले में शनिवार रात जोकोविच ने हवाज़र पर-5, 7-6, 7-6 से हाराकर जीत दर्ज की। शुरुआत में एक सेट से पिछड़ने के बाद जोकोविच ने वापसी करते हुए दूसरा और तीसरा सेट जीतकर खिताब अपने

नाम किया। जीत के बाद जोकोविच कहा कि मैं यहां 100वां खिताब जीतकर बेहद खुश हूं। मुझे इसके लिए काफ़ी मेहनत करनी पड़ी है। नोवाक जोकोविच ने इस जीत के साथ ही 38 वर्षीय सर्वियाई खिलाड़ी के रिवार से शुरू होने वाले फ्रेंच ऑपन से पहले आतंकियतावास बढ़ा दी है। उन्होंने जिनेवा ऑपन के बायरिक रोजर फेडर और रोजीर फेडर के 100 खिताब की जीतों की बराबरी कर ली है। जिनेवा कोन्स 109 खिताब के साथ सबसे ज्यादा एटीपी खिताब जीतने वालों की सूची में शीर्ष पर है। वहां रोजर फेडर 103 खिताब के साथ दूसरे स्थान पर है।

### खेल विशेष

दर्जिलिंग में आईएसके एफ कराटे चैंपियनशिप का आगाज



## 'खेलो इंडिया' में इस बार बने 26 रिकॉर्ड: पीएन

■ विश्व के लोगों ने हमारे युवा खिलाड़ियों की प्रतिभा को सराहा



नई दिल्ली, वार्ता। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'खेलो इंडिया' के तीन प्रमुख विजेताओं महाराष्ट्र, हरियाणा और राजस्थान को बधाई देते हुये रिवार को कहा कि इस 'खेलो इंडिया' में 26 रिकॉर्ड बने हैं। श्री मोदी ने आकाशवाणी पर अपने मानसिक कार्यक्रम 'मन की बात' की 122वीं कड़ी में कहा कि हाल ही में 'खेलो इंडिया' गेम्स की बड़ी धूम हो रही है। खेलो इंडिया के दोस्रे जैविक रेसिंग में सरकार खेल प्रतिभाओं को गांव-गांव से पहले चारों दिनों के लिए साक्रिय प्रतिभाओं के बाहर खेलो इंडिया में बदल रही है। साथ ही उन्होंने गवर्नर्क उल्लेख किया कि दर्जिलिंग और आस-पास के क्षेत्रों के युवा खेलों में राजीव और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रही है।

धर्मो खेलो इंडिया में कहा कि विवार की खेलों में राजीव और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रही है।

धर्मो खेलो इंडिया में मेजबानी की थी।

धर्मो खेलो इंडिया

## नया भारत

रविवार के प्रधानमंत्री नेंद्र मोदी का मन की बात कार्यक्रम का 122वां एपिसोड प्रस्तुत हुआ। इस एपिसोड में प्रधानमंत्री नेंद्र मोदी ने अन्य मुद्रदं के साथ-साथ अपरेशन सिंगूर व सेना के पराक्रम पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि जिस सटीकता के साथ हमारी सेनाओं ने सोमा पार के आतंकी टिकानों को छवत किया वह अद्भुत है। ऑपरेशन सिंगूर ने दुनियाभर के आतंक के खिलाफ लड़ाई को एक नया उत्साह दिया है। पीएम मोदी ने कहा कि हमारे जवानों ने आतंकी के अड़कों को तावह किया, यह उनका अद्यता साहस था और उनकी सफलता में शामिल थी भारत में बने हथियार, उपकरणों और तकनीकी ताकत। ऑपरेशन सिंगूर में आतंकीभर भारत का संकल्प भी था, हमारे इंजीनियर, हमारे टैक्नीशियन हर किसी का पसीना इसमें शामिल है। उनके अनुसार ऑपरेशन सिंगूर सिर्फ एक सैन्य मिशन नहीं है, यह हमारे संकल्प, साहस और बदलते भारत की तस्वीर है और इस तस्वीर ने पूरे देश को देश के भाव से भर दिया है। यही कारण है कि देश के कई शहरों में, गांवों में, छोटे कस्बों में तिरंगा चाराएं निकल रही हैं। साशल मीटिंग पर कविताएं लिखी जा रही हैं, संकल्प गीत गाए जा रहे हैं और छोटे बच्चे पेंटिंग की जा रही हैं।



भा

रत में कोविड-19 के नए वेरिएंट्स NB.1.8.1 और LF.7 की पहचान एक महत्वपूर्ण जेतावनी के रूप में देखी जा रही है। कोविड-19 महामारी, जिसने 2020 में पूरी दुनिया को झकझोर कर रखा था, समय पर अपने नए स्ट्रेप्टों में सामने आती रही है। यह वायरस निरंतर रूपातरण (म्यूटेशन) के माध्यम से नए वेरिएंट्स उत्पन्न करता है जो वायरस को मानव कोशिकाओं से जोड़ने और उनमें प्रवृश करने में सहायता करता है। अब इस प्रोटीन में परिवर्तन होता है, तो वायरस अधिक संक्रामक हो सकता है और कुछ मामलों में यह प्रतिरक्षा प्रणाली द्वारा पहचान नहीं जा सकता। इससे पहले ऑमिक्रोन और डेल्टा जैसे वेरिएंट्स में भी इसी प्रकार के म्यूटेशन देखे गए थे,

## NB.1.8.1

ले कोविड-19 के उत्पन्न संभवतः ऑमिक्रोन परिवर्तन से हुई है, जो पहले ही कई उपरेंटेंट्स उत्पन्न कर चुका है। LF.7 की विशेषताओं पर अब तक बहुत कम जाकरी उपलब्ध है, लेकिन विशेषताओं का मानना है कि यह भी तीव्र गति से फैल सकता है और तोगों को संक्रमित करने की क्षमता रखता है। इस वेरिएंट्स से संबंधित मामलों की संख्या अभी कमी है, लेकिन वायरस को कानूनी है। इसे फैलाने के लिए यह जरूरी है कि हम सार्वजनिक स्थानों पर लोगों से कम से कम छह फीट की दूरी बराएं रखें। यह विशेष रूप से तब और जूही ही जब या गले में खारश नजर आएं। कई लोग लक्षणों के बावजूद बादर निकलते हैं, जिससे संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ जाता है।

LF.7 वेरिएंट की उत्पन्न संभवतः ऑमिक्रोन परिवर्तन से हुई है, जो पहले ही कई उपरेंटेंट्स उत्पन्न कर चुका है। LF.7 की विशेषताओं पर अब तक बहुत कम जाकरी उपलब्ध है, लेकिन विशेषताओं का मानना है कि यह भी तीव्र गति से फैल सकता है और तोगों को संक्रमित करने की क्षमता रखता है। इस वेरिएंट्स से संबंधित मामलों की संख्या अभी कमी है, लेकिन वायरस को कानूनी है। इसे फैलाने के लिए यह जरूरी है कि हम सार्वजनिक स्थानों पर लोगों से कम से कम छह फीट की दूरी बराएं रखें। यह विशेष रूप से तब और जूही ही जब या गले में खारश नजर आएं। कई लोग लक्षणों के बावजूद बादर निकलते हैं, जिससे संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ जाता है।

स्वास्थ्य निगरानी या सेट्क मानिटरिंग भी बेहद जरूरी है। आगे आपको जैविंग और कोलोनी विशेषज्ञों से अपनी ही गोपनीयों को मिलाना चाहिए। यह विशेष रूप से तब और जूही ही जब या गले में खारश नजर आएं। यदि आप माता-पिता हैं, तो उन्हें व्यक्तिगत और सामाजिक जिम्मेदारियों को समझें और सरकार के साथ अगे बढ़ें। यदि आप माता-पिता हैं, तो उनके बच्चों को भी टीकाकरण के लिए यह जरूरी है। इसलिए यह विशेषज्ञों से अपनी ही गोपनीयों को मिलाना चाहिए। यह विशेष रूप से तब और जूही ही जब या गले में खारश नजर आएं। कई लोग लक्षणों के बावजूद बादर निकलते हैं, जिससे संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ जाता है।

इस वेरिएंट्स के प्रसार को संभावना को देखते हुए, लेकिन वेरिएंट्स के स्थानों में भद्र कर सकते हैं। आइए इसे फैलाने में मदद कर सकते हैं। जिससे यह ज्यादा तेजी से फैल सकता है और टीकाकरण के प्रसार को कम कर सकता है।

NB.1.8.1 वेरिएंट अप्रैल 2025 में तमिलनाडु में पहली बार यांग जवाब जबकि LF.7 वेरिएंट मई 2025 में युजलात में चार लोगों में पाया गया। इन दोनों वेरिएंट्स को विश्व स्वास्थ्य संगठन ने Variants Under Monitoring की श्रेणी में रखा है, जिसका अर्थ है कि ये वेरिएंट्स परिवर्तनों के रूप में भारत के विशेषज्ञों द्वारा यांग जवाब दिया जाता है। इस वेरिएंट्स को अपनी सेवाओं में भारत की विशेषज्ञीय विभाग और भारतीय विभाग नहीं है, और इस युद्ध की खास बात यह है कि भारत की तरफ से जो हथियार इस्तमाल किए गए, जिन्होंने सटीक परिणाम दिए वे भारत में ही बने हैं। इस तरह हम कह सकते हैं कि रक्षा के क्षेत्र में अब भारत की कामोहाता नहीं रहा है और उसे अपनी रक्षा का लड़ाई के द्वारा यह आया है। और इस युद्ध की खास बात यह है कि ऑपरेशन सिंगूर को लेकर पूरे देश में एक गजब का जज्बा देखने में था साथ-साथ शहरों में ऑपरेशन सिंगूर के द्वारा जन्मे वृक्षों का नाम सिंगूर का लड़ाई के द्वारा यह है। इसमें कोई दोराय नहीं है कि ऑपरेशन सिंगूर को लेकर पूरे देश में एक गजब का जज्बा देखने में था साथ-साथ शहरों में ऑपरेशन सिंगूर के द्वारा जन्मे वृक्षों का नाम सिंगूर का लड़ाई के द्वारा यह है। इसमें कोई दोराय नहीं है कि ऑपरेशन सिंगूर को लेकर पूरे देश में एक गजब का जज्बा देखने में था आया है। पूरा देश एक जुटाता के साथ अपनी सेना के आतंकी टिकानों को रहाया जाए जो रहे हैं और छोटे बच्चे पेंटिंग की जा रही हैं, संकल्प गीत गाए जा रहे हैं और घोटे बच्चे के कार्यक्रमों और भारतीय विभागों के लिए एक दोरा यह है कि ऑपरेशन सिंगूर को लेकर पूरे देश में एक गजब का जज्बा देखने में था आया है।

NB.1.8.1 वेरिएंट में एक गजब का जज्बा देखने में था आया है।

LB.7 वेरिएंट की उत्पन्न संभवतः ऑमिक्रोन परिवर्तन से हुई है, जो पहले ही कई उपरेंटेंट्स उत्पन्न कर चुका है। LB.7 की विशेषताओं पर अब तक बहुत कम जाकरी उपलब्ध है, लेकिन विशेषताओं का मानना है कि यह भी तीव्र गति से फैल सकता है और तोगों को संक्रमित करने की क्षमता रखता है। इस वेरिएंट्स से संबंधित मामलों की संख्या अभी कमी है, लेकिन वायरस को कानूनी है। इसे फैलाने के लिए यह जरूरी है कि हम सार्वजनिक स्थानों पर लोगों से कम से कम छह फीट की दूरी बराएं रखें। यह विशेष रूप से तब और जूही ही जब या गले में खारश नजर आएं। कई लोग लक्षणों के बावजूद बादर निकलते हैं, जिससे संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ जाता है।

इस वेरिएंट्स के प्रसार को कम कर सकते हैं। आइए इसे फैलाने में मदद कर सकते हैं। जिससे यह ज्यादा तेजी से फैल सकता है और टीकाकरण के प्रसार को कम कर सकता है।

NB.1.8.1 वेरिएंट में एक गजब का जज्बा देखने में था आया है।

LB.7 वेरिएंट की उत्पन्न संभवतः ऑमिक्रोन परिवर्तन से हुई है, जो पहले ही कई उपरेंटेंट्स उत्पन्न कर चुका है। LB.7 की विशेषताओं पर अब तक बहुत कम जाकरी उपलब्ध है, लेकिन विशेषताओं का मानना है कि यह भी तीव्र गति से फैल सकता है और तोगों को संक्रमित करने की क्षमता रखता है। इस वेरिएंट्स से संबंधित मामलों की संख्या अभी कमी है, लेकिन वायरस को कानूनी है। इसे फैलाने के लिए यह जरूरी है कि हम सार्वजनिक स्थानों पर लोगों से कम से कम छह फीट की दूरी बराएं रखें। यह विशेष रूप से तब और जूही ही जब या गले में खारश नजर आएं। कई लोग लक्षणों के बावजूद बादर निकलते हैं, जिससे संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ जाता है।

इस वेरिएंट्स के प्रसार को कम कर सकते हैं। आइए इसे फैलाने में मदद कर सकते हैं। जिससे यह ज्यादा तेजी से फैल सकता है और टीकाकरण के प्रसार को कम कर सकता है।

NB.1.8.1 वेरिएंट में एक गजब का जज्बा देखने में था आया है।

LB.7 वेरिएंट की उत्पन्न संभवतः ऑमिक्रोन परिवर्तन से हुई है, जो पहले ही कई उपरेंटेंट्स उत्पन्न कर चुका है। LB.7 की विशेषताओं पर अब तक बहुत कम जाकरी उपलब्ध है, लेकिन विशेषताओं का मानना है कि यह भी तीव्र गति से फैल सकता है और तोगों को संक्रमित करने की क्षमता रखता है। इस वेरिएंट्स से संबंधित मामलों की संख्या अभी कमी है, लेकिन वायरस को कानूनी है। इसे फैलाने के लिए यह जरूरी है कि हम सार्वजनिक स्थानों पर लोगों से कम से कम छह फीट की दूरी बराएं रखें। यह विशेष रूप से तब और जूही ही जब या गले में खारश नजर आएं। कई लोग लक्षणों के बावजूद बादर निकलते हैं, जिससे संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ जाता है।

इस वेरिएंट्स के प्रसार को कम कर सकते हैं। आइए इसे फैलाने में मदद कर सकते हैं। जिससे यह ज्यादा तेजी से फैल सकता है और टीकाकरण के प्रसार को कम कर सकता है।

NB.1.8.1 वेरिएंट में एक गजब का जज्बा देखने में था आया है।

LB.7 वेरिएंट की उत्पन्न संभवतः ऑमिक्रोन परिवर्तन से हुई है, जो पहले ही कई उपरेंटेंट्स उत्पन्न कर चुका है। LB

